Q.1) भारत के भू-वैज्ञानिक इतिहास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. प्रायद्वीपीय सतह का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा आर्कियन चट्टान नीस (Gneiss) द्वारा कवर किया गया है।
2. गोंडवाना चट्टानों में भारत का लगभग 98 प्रतिशत कोयला भंडार है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.1) Solution (c)

Basic Information:

- भूवैज्ञानिक रूप से भारतीय चट्टान प्रणाली को चार प्रमुख प्रभागों में विभाजित किया जा सकता है।
  - आर्कियन चट्टान प्रणाली (लगभग 4000-1000 मिलियन वर्ष पूर्व)
  - पुराण चट्टान प्रणाली (1400-600 मिलियन वर्ष पूर्व)
  - द्रविड़ियन चट्टान प्रणाली (600-300 मिलियन वर्ष पूर्व)
  - आर्यन चट्टान प्रणाली (300 मिलियन वर्ष पहले से वर्तमान समय तक)
- आर्कियन प्रणाली सबसे प्राचीन है तथा उनमें दो समूह शामिल हैं 1. आर्कियन समूह के नीस और शिस्ट् एवं 2. धारवाड़ प्रणाली।
- पुराण प्रणाली में दो प्रमुख समूह शामिल हैं 1. कुडप्पा प्रणाली और 2. विंध्य प्रणाली।
- द्रविड़ प्रणाली ज्यादातर अतिरिक्त-प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में पाई जाती है तथा इनमें प्रचुर मात्रा में जीवाश्म होते हैं। कैम्ब्रियन, ऑर्डोविशियन, सिलुरियन, डेवोनियन और कार्बोनिफेरस काल की चट्टानें द्रविड़ियन प्रणाली में शामिल हैं।
- आर्यन चट्टान प्रणाली सबसे नयी है तथा इसमें गोंडवाना चट्टान प्रणाली, ट्रियासिक प्रणाली, जुरासिक प्रणाली, तृतीयक प्रणाली (Eocene, Oligocene, Miocene and Pleistocene) और काकेशियस प्रणाली शामिल हैं। प्रायद्वीपीय ब्लॉक का दक्कन ट्रैप इसी अवधि के अंतर्गत आता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
आर्कियन प्रणाली की नीस प्रायद्वीपीय ब्लॉक के लगभग दो-तिहाई हिस्से को कवर करती है। वे संरचना में azoic और अत्यधिक क्रिस्टलीय हैं।	गोंडवाना प्रणाली आर्यन रॉक प्रणाली से संबंधित है। इसमें कुछ शैल् और क्ले के साथ बलुआ पत्थर होते हैं। वे महाद्वीपीय उत्पत्ति, नदी संबंधी (fluviatile) और झील संबंधी (lacustrine) निक्षेप हैं, जो प्राचीन पठारी सतह पर जियोसिंक्लाइन गर्त में निक्षेपित हैं। इन चट्टानों के मुख्य क्षेत्र प्रायद्वीप में झारखंड में दामोदर घाटी के साथ, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में महानदी घाटी के साथ, मध्यप्रदेश के दक्षिणी भागों में और गोदावरी के साथ गर्तों की एक श्रृंखला में हैं। आर्थिक रूप से वे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत के 98 प्रतिशत से अधिक कोयला भंडार इसी चट्टान प्रणाली के हैं।

Q.2) निम्नलिखित में से किसे भारत में हिमनद झीलों (glacial lakes) के रूप में वर्गीकृत किया गया है?

1. रूपकुंड
2. चंद्र ताल
3. सूरजकुंड
4. सोंगमो (Tsongmo)
5. वूलर

सही विकल्प चुनें:

a) 1, 2, 4 और 5
b) 1, 2 और 4
c) 1, 2, 3 और 5
d) उपरोक्त सभी

Q.2) Solution (b)

Basic Information:

भारत में हिमनद झीलों की सूची:

झील	**राज्य / क्षेत्र**
रूपकुंड	उत्तराखंड
चंद्र ताल	हिमाचल प्रदेश
सोंगमो	सिक्किम
हेमकुंड	उत्तराखंड
केदार ताल	उत्तराखंड
सतोपंथ ताल	उत्तराखंड
सूरज ताल	हिमाचल प्रदेश
कैलाश कुंड	मानसरोवर क्षेत्र
गुरुडोंगमार	सिक्किम
शेषनाग	कश्मीर
कौंसरनाग	कश्मीर

Q.3) निम्न में से कौन सा प्रमाण दर्शाता है कि हिमालय की ऊंचाई अभी भी बढ़ रही है?

1. शिवालिक पहाड़ियों की जीवाश्म संरचना का तिब्बती पठार में भी पाया जाना।
2. तिब्बत की झीलों का जल-स्तर नीचे होना (Dessication)।
3. हिमालय में भूकंपों की लगातार घटना
4. हिमालय के तराई क्षेत्रों में घाटी के किनारों पर पाए जाने वाले सीढ़ीदार क्षेत्र (Terraces)।

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 3

b) केवल 1, 3 और 4
c) केवल 1, 2 और 3
d) उपरोक्त सभी।

Q.3) Solution (d)

Basic Information:

कई भू-वैज्ञानिकों ने कहा है कि हिमालय के उत्थान की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है तथा यह अभी भी प्रक्रिया में है। निम्नलिखित प्रमाणों से यह सिद्ध किया जा सकता है कि हिमालय की ऊंचाई अभी भी बढ़ रही है।

- **जीवाश्म निर्माण:**
  - शिवालिक पहाड़ियों और तिब्बत पठार में पाए जाने वाले कुछ जीवाश्म निर्माण दोनों क्षेत्रों में अतीत में समान जलवायु परिस्थितियों का संकेत दे रहे हैं। तिब्बती पठार तब से अपनी वर्तमान ऊँचाई तक बढ़ा है।
- **झीलों का जल-स्तर नीचे होना:**
  - हाल के दिनों के भीतर झीलों का सुखना देखा गया है। इन झीलों के चारों ओर, वर्तमान जल स्तर से ऊपर के स्तर पर रेत और बजरी के स्तरों से साबित होता है कि हाल के दिनों तक पानी बहुत अधिक ऊंचाई पर था।
- **भूकंप की घटना:**
  - संकेत देती है कि हिमालय ने अभी तक भू-संतुलन प्राप्त नहीं किया है तथा उनका अभी भी ऊपर उठना जारी है।
- **हिमालयी नदियों का युवा चरण:**
  - कायाकल्प (rejuvenation) के प्रमाण के साथ हिमालयी नदियाँ अभी भी अपने युवा अवस्था में हैं।
- **घाटी के किनारों पर सीढ़ीदार क्षेत्र:**
  - घाटी के किनारों पर पाए जाने वाले घाटी उत्थान के कारण घाटी क्षेत्र के कायाकल्प का सुझाव देते हैं।

Q.4) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. अरुणाचल प्रदेश में दाफला, मिरी, अबोर और मिश्मी पहाड़ियां शिवालिक श्रेणी का हिस्सा हैं।
2. 'दून' (Duns) मौसमी धाराप्रवाह हैं, जो शिवालिकों के दक्षिणी ओर पाई जाती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) इनमें से कोई भी नहीं।

Q.4) Solution (a)

Basic Information:

- शिवालिक हिमालय की सबसे बाहरी श्रेणी में शामिल है तथा इसे बाह्य हिमालय कहा जाता है।
- यह अपनी खड़ी ढलानों के कारण ढालवां पहाड़ों की क्रमिक (HogBack) उपस्थिति बनाता है।
- यह लगभग 2400 किलोमीटर की दूरी के लिए पोतावर पठार से ब्रह्मपुत्र घाटी तक निम्न हिमालय के समानांतर चलता है।
- शिवालिक की चौड़ाई हिमाचल प्रदेश में 50 किलोमीटर से लेकर अरुणाचल प्रदेश में 15 किलोमीटर से कम तक है।
- शिवालिक का निर्माण मध्य प्लीस्टोसीन काल की रेत, बजरी और अन्य समूह से हुआ है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
शिवालिक अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाने जाते हैं। वे निम्नलिखित कहे जाते हैं- 1. जम्मू में जम्मू पहाड़ियों 2. अरुणाचल प्रदेश में दाफला, मिरी, अबोर और मिश्मी पहाड़ियाँ। 3. धंग श्रेणी 4. उत्तराखंड की दुंदवा श्रेणी (Dundwa range)। 5. नेपाल का चिरिया घाट (Chiria Ghat) पहाड़ियाँ।	शिवालिक की दक्षिणी ढलान पूरी तरह से पंजाब और हिमाचल प्रदेश में वन आवरण से रहित हैं। इन्हें स्थानीय रूप से 'चोस' (Chos) कहे जाने वाले कई मौसमी धाराओं द्वारा विच्छेदित किया जाता है। 'दून' या 'दुआर्स' मैदानी क्षेत्र हैं, जो हिमालयी क्षेत्रों में झीलों के दूर होने के कारण बनते हैं। यह इसलिए होता है क्योंकि नदियाँ पर्वतमाला से होकर रास्ता बनाती हैं तथा पहले बनी झीलों को छोड़ती हैं। दून उपजाऊ क्षेत्र होते हैं।

Q.5) निम्नलिखित में से हिमालय के दर्रे के स्थान के संबंध में कौन सा / से सही ढंग से सुमेलित हैं?

	दर्रे (Pass)	राज्य
1.	अघिल दर्रा	जम्मू और कश्मीर
2.	चांग ला	हिमाचल प्रदेश
3.	बोमडी ला	सिक्किम
4.	शिपकी ला	हिमाचल प्रदेश

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 1 और 3
c) केवल 1, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी।

Q.5) Solution (a)

Basic Information:

राज्य का नाम	दर्रों का नाम
जम्मू कश्मीर,	मिंटका दर्रा, पारपिक दर्रा, खुन्जेरब दर्रा, अघिल दर्रा, बनिहाल दर्रा, चांग ला, खारदुंग ला, लानक ला, पीर पंजाल, क़ारा ताग ला, इमिस ला, पेंसि ला, ज़ोजी ला
हिमाचल प्रदेश	बारा लाचा ला, देबासा दर्रा, रोहतांग दर्रा, शिपकी ला,
उत्तराखंड	लिपु लेख, माना दर्रा, मंगशा धुरा, नीति दर्रा, मुलिंग ला।
सिक्किम	नाथू ला, जेलेप ला।
अरुणाचल प्रदेश	बोमडी ला, दिहांग दर्रा, योंगीपप दर्रा, डिफर दर्रा, कुमजावंग दर्रा, ह्पुंगन दर्रा, चैंकन दर्रा

Q.6) भारत के उत्तरी मैदानों के भौतिक विज्ञान के संबंध में 'तराई' (Tarai) शब्द का क्या अर्थ है?

a) शिवालिकों की तलहटी के साथ मोटे कंकड़ वाला क्षेत्र।
b) उत्तरी मैदानों में भाबर क्षेत्र के दक्षिण में एक दलदली क्षेत्र।
c) उत्तरी मैदानों में भांगर क्षेत्र के उत्तर में पुराना जलोढ़ क्षेत्र।
d) उत्तरी मैदानों में भांगर क्षेत्र के उत्तर में नया जलोढ़ क्षेत्र।

Q.6) Solution (b)

Basic Information:

- तराई उत्तर भारत और दक्षिणी नेपाल का एक तराई क्षेत्र है, जो हिमालय की बाहरी तलहटी, शिवालिक पहाड़ियों, और भारतीय-गंगा के मैदान के उत्तर में स्थित है।
- इस तराई बेल्ट में लंबी घास के मैदान, झाड़ीदार सवाना, साल वनों और क्ले समृद्ध दलदल हैं।
- यह एक 15-30 किमी चौड़ा दलदली क्षेत्र है, जो उत्तरी मैदानों में भाबर क्षेत्र के दक्षिण के समानांतर चल रहा है।
- इस क्षेत्र में नदियाँ फिर से मिलती हैं, जो इस क्षेत्र को नम कर देती हैं।
- पंजाब, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड का अधिकांश क्षेत्र कृषि उद्देश्यों के लिए परिवर्तित किया गया है।

Q.7) पंजाब मैदानों के 'दोआब' के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सही रूप से सुमेलित है?

	दोआब	**स्थान**
1.	चाज दोआब	चिनाब और झेलम नदियों के बीच।
2.	सिंध सागर दोआब	झेलम-चिनाब और सिंधु नदियों के बीच।
3.	रचना दोआब	रावी और चेनाब नदियों के बीच।
4.	बारी दोआब	ब्यास और रावी नदियों के बीच।

सही विकल्प चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 1 और 2
c) केवल 1, 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.7) Solution (d)

Basic Information:

- दो नदियों के बीच की भूमि को 'दोआब' के नाम से जाना जाता है।
- वे मुख्य रूप से उत्तरी भारत में पंजाब के मैदानों में मौजूद हैं।

दोआब	**नदियों के बीच**
बिष्ट-जालंधर दोआब	ब्यास और सतलज के बीच
बारी दोआब	ब्यास और रावी के बीच
रचना दोआब	रावी और चिनाब के बीच
चाज दोआब	चिनाब और झेलम के बीच
सिंध सागर दोआब	झेलम-चिनाब और सिंधु के बीच।

Q.8) निम्नलिखित हिमालय पर्वतों पर विचार करें।

1. नंदा देवी
2. कामेट
3. मकालू
4. धौलागिरी

उपरोक्त को पश्चिम से पूर्व दिशा में व्यवस्थित करें।

a) 2-1-4-3
b) 2-1-3-4
c) 1-2-4-3
d) 1-2-3-4

Q.8) Solution (a)

Explanation:

पश्चिम से पूर्व दिशा में कामेट सबसे पहले, उसके बाद नंदादेवी, धौलागिरी और मकालू है।

नीचे दिए गए मानचित्र से संदर्भ लें।

Q.9) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. करेवा (Karewas), हिमोढ़ (moraines) के साथ संबद्ध ग्लेशियल क्ले की मोटी निक्षेप हैं।
2. ज़ाफ़रान की खेती के लिए करेवा महत्वपूर्ण हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.9) Solution (c)

Basic Information:

- करेवा प्लास्टोसिन युग के ग्लेशियो-फ़्लूवियल लैक्ज़ाइन निक्षेप (glacio-fluvial lacustrine) हैं।
- वे कशमीर की घाटी और जम्मू संभाग के भदरवा में प्रमुख रूप से हैं।
- करेवा का गठन प्लेइस्टोसिन काल (1 मिलियन वर्ष पहले) के दौरान हुआ था, जब कश्मीर की पूरी घाटी जलमग्न थी। पीरपंजाल के उदय के कारण, जल निकासी बाधित हो गयी थी तथा लगभग 5000 वर्ग किमी क्षेत्र की एक झील विकसित हो गई थी और इस प्रकार एक बेसिन का गठन हुआ था। इसके बाद, बारामुला गोर्ज से झील निकाली थी। इस प्रक्रिया में बचे हुए निक्षेपों को करेवा के रूप में जाना जाता है। करेवा की मोटाई लगभग 1400 मीटर है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
वे हिमनद क्ले के लेकसट्राइन (lacustrine-झील संबंधी) निक्षेप हैं, जो कि मोरेन और अन्य निक्षेप के साथ संबद्ध हैं।	कश्मीर की घाटी को करेवा मिट्टी में उगाई जाने वाली ज़ाफ़रान की खेती (स्थानीय नाम केसर) के लिए जाना जाता है।

Q.10) राजस्थान के मरुस्थलों के संबंध में 'धरियन' (Dhrian) शब्द का क्या अर्थ है?

a) रेत के टीलों का स्थानांतरण।
b) मरुस्थलों के बीच में ओएसिस (Oasis)।
c) सूखी हुई झीलें।
d) छोटी भूमिगत जलधाराएँ।

Q.10) Solution (a)

Basic Information:

- थार मरुस्थल में हवा के थपेड़ों के कारण स्थानांतरित रेत के टीलों को धीरन (Dhrians) कहा जाता है।
- यह स्थानीय नाम है, जो राजस्थान थार रेगिस्तान के रेत के टीलों को दिया जाता है।
- राजस्थान के थार रेगिस्तान से उड़ाई गई रेत के गड्ढे को ढांड (Dhand) कहा जाता है।
- ‘रोही’ उपजाऊ क्षेत्र है, जो अरावली से निकलने वाली छोटी धाराओं के जल निकासी के कारण बनता है।

Q.11) निम्नलिखित में से किसे खारे पानी की झीलों (saline lakes) के रूप में वर्गीकृत किया गया है?

1. सांभर झील
2. चिलका झील
3. कोलेरु झील
4. पुलिकट झील
5. लोकटक झील

सही विकल्प चुनें:

a) 1, 2 और 4
b) 1, 2 और 3
c) 1, 2, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी

Q.11) Solution (a)

Basic Information:

भारत में खारे पानी की झीलें	भारत में मीठे पानी की झीलें
सांभर झील, चिलका झील, पुलिकट झील, पोंगोंग त्सो झील, वेम्बनाड झील, डेगाना झील, डीडवाना झील, कुचामन आदि।	कोलेरु झील, लोकटक झील, सरदार सरोवर झील, इंदिरा सागर झील, चंद्रताल, सुरज ताल, दीपोर बील। शेषनाग, त्सो मोरीरी आदि।

Q.12) भारत के प्रायद्वीपीय पठार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. 'मलनाड' (Malnad) का तात्पर्य दक्षिणी भारत में कम ग्रेनाइट वाली पहाड़ियों वाले रोलिंग मैदानों (rolling plains) से है।
2. छोटानागपुर डिवीजन में रांची पठार की स्थलाकृति विशाल ग्रेनाइट की गोलाकार पहाड़ियों (rounded hills) द्वारा चिह्नित है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.12) Solution (b)

Basic Information:

- प्रायद्वीपीय पठार का निर्माण भारत के सबसे बड़े भौतिक विभाजन से पूर्व में बंगाल की खाड़ी और पश्चिम में अरब सागर से होता है।
- यह पुराने क्रिस्टलीय, आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों से बने एक टेबललैंड की तरह है
- उत्तर में पचमढ़ी से दक्षिण में केप कैमोरिन तक इसकी अधिकतम लंबाई 1600 किलोमीटर है तथा पश्चिम में सह्याद्री से पूर्व में राजमहल पहाड़ी तक इसकी अधिकतम चौड़ाई 1400 किलोमीटर है।
- पठार को पाँच अलग-अलग उपविभागों में विभाजित किया जा सकता है। 1. पश्चिमी पहाड़िया, 2. उत्तरी दक्कन पठार, 3. दक्षिणी दक्कन पठार, 4. पूर्वी पठार और 5. पूर्वी पहाड़ियां।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
'मलनाड' (Malnad) कर्नाटक पठार (दक्षिणी दक्कन पठार) में सह्याद्री की सीमा वाली पहाड़ी क्षेत्र को संदर्भित करता है। 'मैदान' (Maidan) उत्तर कर्नाटक में छोटी मैदानी पहाड़ियों से युक्त रोलिंग मैदानों को संदर्भित करता है।	पूर्वी भारत के छोटानागपुर पठार में रांची पठार और हजारीबाग पठार शामिल हैं। रांची पठार में गोलाकार ग्रेनाइट पहाड़ियों और पुराने बाढ़ के मैदानों का थोड़ा ऊँचा तल (slightly elevated terraces) है।

Q.13) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. नीलगिरि गुडालुर के पास सहयाद्रियों में मिलती हैं।
2. पालघाट गैप द्वारा पश्चिमी घाट मुख्य सहयाद्रि श्रेणी से अलग होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.13) Solution (c)

Basic Information:

- पश्चिमी घाट या सह्याद्रि, दक्कन के टेबललैंड के पश्चिमी छोर का निर्माण करते हैं।
- वे उत्तर-दक्षिण दिशा में समानांतर तथा अरब सागर के तट पर तापी घाटी (21 डिग्री उत्तरी अक्षांश) से करीब 1600 किलोमीटर की दूरी पर कन्याकुमारी (11 डिग्री उत्तरी अक्षांश) तक हैं।
- पश्चिमी घाट किनारेदार, सीढ़ीदार, समतल शीर्ष वाली पहाड़ियाँ या चट्टानें हैं जो स्टेपी स्थलाकृति प्रस्तुत करती हैं।
- उन्हें 1. उत्तरी खंड (21 से 16 डिग्री उत्तरी अक्षांश), 2. मध्य सह्याद्री (16 डिग्री से नीलगिरी तक) और 3. दक्षिणी खंड (पालघाट गैप से कन्याकुमारी तक) में विभाजित किया गया है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
नीलगिरि गुडालुर के पास सहयाद्रि मिलती हैं। वे 2000 मीटर से अधिक ऊंचाई तक उठती है तथा पश्चिमी घाटों और पूर्वी घाटों के जंक्शन को चिह्नित करती है।	पालघाट गैप सह्याद्री रेंज की निरंतरता में अचानक विराम प्रस्तुत करता है। पश्चिमी घाट के दक्षिणी भाग को पालघाट गैप द्वारा मुख्य सहयाद्रियों से अलग किया गया है। गैप एक दरार घाटी है, जो दो समानांतर भ्रंश रेखाओं के बीच भूमि के अवतलन द्वारा बनाई गई है।

Q.14) ब्रह्मपुत्र उत्तर-पूर्वी भारत की सबसे लंबी नदी है। इस नदी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह मान सरोवर झील के पास कैलाश श्रेणी के चेमायुंगडुंग हिमनद से उत्पन्न होती है।
2. यह भारत में अरुणाचल प्रदेश राज्य से प्रवेश करती है, जहाँ इसे सियांग नदी के नाम से जाना जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.14) Solution (c)

Basic Information:

- ब्रह्मपुत्र, जिसे तिब्बत में यारलुंग त्संगपो कहा जाता है, अरुणाचल प्रदेश में सियांग नदी, असम में लुइत (Luit) एक सीमा-पारीय नदी है जो चीन, भारत और बांग्लादेश से होकर बहती है।
- यह जल क्षमता में विश्व की नौवीं सबसे बड़ी नदी है, और 15 वीं सबसे लंबी नदी है।

- मानसरोवर झील क्षेत्र में इसकी उत्पत्ति के साथ, यारलुंग त्सांग्पो नदी के रूप में तिब्बत के बुरंग काउंटी में हिमालय के उत्तरी किनारे पर स्थित कैलाश पर्वत से निकलती हुई, यह दक्षिणी तिब्बत के साथ महान गार्जों (यारलुंग त्सांगपो ग्रैंड कैनियन सहित) और अरुणाचल प्रदेश में होती हुई बहती है।
- यह ब्रह्मपुत्र के रूप में असम घाटी के माध्यम से दक्षिण में बहती है तथा बांग्लादेश के माध्यम से दक्षिण में जमुना के रूप में बहती है।
- विशाल गंगा डेल्टा में, यह बांग्लादेश में गंगा नदी के लोकप्रिय नाम पद्मा के साथ विलीन हो जाती है, और अंत में, पद्मा के साथ विलय के बाद, यह मेघना बन जाती है तथा यहाँ से, यह बंगाल की खाड़ी में मिलने से पहले मेघना नदी के रूप में बहती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**
ब्रह्मपुत्र की उत्पत्ति चेमायुंगडंग ग्लेशियर से हुई है	यह भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य में प्रवेश करती है तथा इसे स्थानीय रूप से दिहांग या सियांग कहा जाता है।

Q.15) निम्नलिखित में से कौन सी गोदावरी नदी की सहायक नदियाँ हैं?

1. पेनगंगा
2. इब
3. वर्धा
4. वेनगंगा
5. जोंक

सही विकल्प चुनें:

a) 1, 2 और 4
b) 1, 3 और 4
c) 1, 2, 3 और 4
d) उपरोक्त सभी।

Q.15) Solution (b)

Basic Information:

नदी का नाम	**सहायक नदी**
गंगा	अलकनंदा, पिंडर, मंदाकिनी, धौलीगंगा, रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी।
यमुना	चंबल, केन, सिंध, बेतवा।
सिंधु	रावी, चिनाब, ब्यास, झेलम, सतलुज।
महानदी	इब, मंड, हसदो, शयोनाथ, ओंग, जोंक, तेल
गोदावरी	मंजरा, पेनगंगा, वैनगंगा, वर्धा, इंद्रावती, सबरी

कृष्णा	कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी
कावेरी	हरंगी, हेमवती, शिखा, अर्कवती, लक्ष्मण तीर्थ, काबिनी
नर्मदा	हीरन, बरना, कोलार, बरहर, बंजर, शर, तवा, कुंडी
तापी	पूर्णा, बैतूल, पटकी, गंजल, दथारंज, बोकाड, अमरावती।

Q.16) छोटा नागपुर पठार को उत्तर पूर्वी हिमालय पर्वत से कौन सा भ्रंश (fault) अलग करता है?

a) भीम भ्रंश
b) मालदा भ्रंश
c) मेघालय भ्रंश
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.16) Solution (b)

Basic Information:

- भू-विज्ञान में, चट्टान में एक भ्रंश, एक प्लांटर फ्रैक्चर या असंयम है, जिसमें चट्टानी-द्रव्यमान संचलन के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण विस्थापन होता है। प्लेटों के बीच की सीमाओं का सबसे बड़ा गठन, प्लेट विवर्तनिक बलों की क्रिया से पृथ्वी की क्रस्ट के भीतर बड़े भ्रंशन से होता है।
- प्रायद्वीपीय पठार में भीम बेसिन में भीम भ्रंश (दरार) है। इसमें कई महत्वपूर्ण भूकंपीय गतिविधियां हुई हैं।
- मालदा भ्रंश पश्चिम बंगाल में है तथा छोटानागपुर पठार को उत्तर पूर्वी हिमालयी श्रेणियों से अलग करता है।

Q.17) भारत की पश्चिमी ओर बहने वाली नदियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. हालाँकि भारत के बेसिन की केवल 3 प्रतिशत क्षेत्रीय सीमा तक ये नदियाँ बहती हैं, लेकिन उनमें देश का लगभग 18 प्रतिशत जल संसाधन होता है।
2. लगभग छह सौ छोटी धाराएँ पश्चिमी घाट से निकलती हैं तथा अरब सागर में प्रवाहित होती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.17) Solution (c)

Basic Information:

- पश्चिमी घाट में उत्पन्न होने वाली सैकड़ों छोटी धाराएँ पश्चिम की ओर तेज़ी से बहती हैं और अरब सागर में मिल जाती हैं।
- लेकिन दो प्रमुख नर्मदा और तापी नदियों के पश्चिम में बहने का मामला अद्वितीय है। वे विंध्य के पहाड़ों में उत्पन्न होती हैं और घाटियों का निर्माण नहीं करती हैं, बल्कि वे हिमालय के निर्माण की प्रक्रिया के दौरान उत्तरी प्रायद्वीप के झुकने के कारण पैदा हुए भ्रंशों (दरारों) से गुजरती हैं।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ, जो अरब सागर में गिरती हैं, डेल्टाएँ नहीं बनाती हैं, बल्कि केवल ज्वारनदमुख (estuaries) होती हैं।
- अन्य पश्चिम में बहने वाली नदियों में साबरमती, माही, मांडोवी, ज़ुआरी, राचोल, कालीनदी, बेदती, शरवती, नेत्रवती, बेपोर, पन्नाम, भरतपुझा, पेरियार, पम्बा आदि शामिल हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों की क्षेत्रीय सीमा केवल 3 प्रतिशत है, लेकिन उनमें लगभग 18 प्रतिशत देश का जल संसाधन हैं।	पश्चिमी घाट कई सौ छोटी धाराओं का स्रोत है। ये सभी अरब सागर में बहती हैं।

Q.18) जलग्रहण क्षेत्र (catchment area) के घटते क्रम के साथ निम्नलिखित नदियों को व्यवस्थित करें।

1. गंगा
2. ब्रह्मपुत्र
3. महानदी
4. गोदावरी
5. कावेरी

सही विकल्प चुनें:

a) 1-2-3-4-5
b) 1-2-3-5-4
c) 1-2-4-3-5
d) 1-4-2-3-5

Q.18) Solution (d)

Basic Information:

जलग्रहण क्षेत्र (Catchment area) भूमि का वह क्षेत्र है, जहां से पानी नदी या झील या तालाब में बहता है।

नदी का नाम	जलग्रहण क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर)
गंगा	861452
सिंधु (भारत में)	321289
ब्रह्मपुत्र	194413
महानदी	141589
गोदावरी	312812
कावेरी	81155
कृष्णा	258948

Q.19) भारत में द्वीप समूहों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. उत्तर में द्वीपों के ग्रेट अंडमान समूह को दक्षिण के निकोबार समूह से दस डिग्री चैनल द्वारा अलग किया गया है।
2. उत्तरी अंडमान में सैडल पीक, अंडमान और निकोबार में सबसे ऊंची चोटी है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.19) Solution (c)

Basic Information:

- अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप द्वीप समूह भारतीय तट से दूर द्वीपों का सबसे बड़ा समूह बनाता है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश है, जिसमें 572 द्वीप हैं, जिनमें से 37 में लोग बसे हुए हैं, यह बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के बीच में स्थित द्वीपों का एक समूह है। यह क्षेत्र इंडोनेशिया में आचेह से लगभग 150 किमी उत्तर में है तथा अंडमान सागर द्वारा थाईलैंड और म्यांमार से अलग हो गया है। इसमें दो द्वीप समूह शामिल हैं, अंडमान द्वीप समूह (आंशिक रूप से) और निकोबार द्वीप समूह, इस अक्षांश के उत्तर में अंडमान और दक्षिण में निकोबार, 150 किमी चौड़े दस डिग्री चैनल द्वारा अलग किया गया है। अंडमान सागर पूर्व में और बंगाल की खाड़ी पश्चिम में स्थित है।
- लक्षद्वीप, जिसे पहले लाकादिव के नाम से भी जाना जाता था, भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट से लगभग 200 से 440 किमी दूर, लाकादिव सागर में द्वीपों का एक समूह है। 11 डिग्री उत्तरी अक्षांश के उत्तर में स्थित द्वीपों को अमिनीदिवी द्वीप के रूप में जाना जाता है, जबकि इस अक्षांश के दक्षिण में स्थित कोनोनोर द्वीप कहा जाता है। चरम दक्षिण में मिनिकॉय द्वीप है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	**सत्य**
दस डिग्री चैनल अंडमान समूह को निकोबार द्वीप समूह के साथ अलग करता है।	737 मीटर की ऊँचाई के साथ सैडल पीक उत्तरी अंडमान की सबसे ऊँची चोटी है।

Q.20) प्रायद्वीपीय भारत की सतपुड़ा श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी कौन सी है।

a) धुपगढ़
b) अस्तम्ब डोंगर
c) अमरकंटक
d) गुरु शिखर

Q.20) Solution (a)

Basic Information:

- सतपुड़ा सात पहाड़ों की एक श्रृंखला है, जो विंध्य के दक्षिण-पूर्व दिशा में चल रही है तथा नर्मदा और तापी के बीच, लगभग नदियों के समानांतर है।
- पश्चिम में राजपीपला पहाड़ियों से महादेव पहाड़ियों से होते हुए मैकाल श्रेणी तक पहुंचने के लिए लगभग 900 किलोमीटर की दूरी तय करती है।
- महादेव पहाड़ियों पर पंचमढ़ी के पास धुपगढ़ (1350 मीटर) सबसे ऊँची चोटी है।
- अन्य चोटियाँ अस्तम्बा डोंगर (1325 मीटर) और अमरकंटक (1127 मीटर) हैं।
- गुरु शिखर अरावली श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है।

Q.21) निम्नलिखित में से भारत का पहला विकास वित्त संस्थान (Development Finance Institution) कौन सा है?

a) भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम (ICICI)
b) भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक लिमिटेड (IIBI)
c) भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI)
d) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI)

Q.21) Solution (c)

- विकास बैंक वित्तीय संस्थाएं हैं, जो दीर्घ कालीन पूंजी-गहन निवेश के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करते हैं तथा वापसी के लिए प्रतिफल की निम्न दरें आरोपित करती हैं, जैसे शहरी बुनियादी ढाँचा, खनन और भारी उद्योग, और सिंचाई प्रणाली।
- विकास बैंकों को टर्म-लेंडिंग संस्थानों या विकास वित्त संस्थानों (डीएफआई) के रूप में भी जाना जाता है।
- ऐसे बैंक अक्सर अत्यधिक सामाजिक लाभ के साथ लंबी अवधि के निवेश को बढ़ावा देने के लिए ब्याज की कम और स्थिर दरों पर उधार देते हैं।
- विकास बैंक वाणिज्यिक बैंकों से भिन्न होते हैं, जो एक परिपक्वता असंतुलन से बचने के लिए लघु से मध्यम अवधि की जमा राशि और समान परिपक्वता के लिए उधार देते हैं-जो बैंक की तरलता और शोधन क्षमता का संभावित कारण है।
- विकास बैंक, भारत में विकास रणनीति का केंद्रीय बिंदु बने। स्वतंत्रता के तुरंत बाद, विकास बैंकिंग के लिए संस्थागत ढांचा शुरू हुआ- IFCI (1948), IDBI (1964), IIBI (1972), NABARD और EXIM बैंक (1982), SIDBI (1990), आदि।
- IFCI, पहला भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, 1948 में स्थापित किया गया था। यह संभवतः औद्योगिक निवेशों के वित्तपोषण के लिए भारत का पहला विकास बैंक था।
- 1955 में, विश्व बैंक समर्थित इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ICICI) - वर्तमान में भारत का सबसा बड़ा निजी वाणिज्यिक बैंक है।
- 1991 के बाद, वित्तीय क्षेत्र के सुधारों पर नरसिम्हम समिति की रिपोर्ट के बाद, विकास वित्त संस्थानों को भंग कर दिया गया तथा वाणिज्यिक बैंकों में परिवर्तित कर दिया गया। 2002 में ICICI और 2004 में IDBI वाणिज्यिक बैंकों में परिवर्तित हो गए।

Q.22) संविधान (जम्मू और कश्मीर के लिए आवेदन) आदेश, 2019 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. इस आदेश के पारित होने के साथ, भारतीय संविधान के सभी प्रावधान पहले के जम्मू और कश्मीर राज्य पर लागू होते हैं।
2. इसने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के साथ-साथ अनुच्छेद 35 ए को भी निरस्त कर दिया।
3. इसने जम्मू और कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख में फिर से संगठित किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.22) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य

"जम्मू और कश्मीर सरकार" के साथ "सहमति" (concurrence) में भारत के राष्ट्रपति ने प्रख्यापित **संविधान (जम्मू और कश्मीर के लिए आवेदन) आदेश, 2019** में कहा गया है कि राज्य में भारतीय संविधान के प्रावधान लागू होंगे।	जम्मू-कश्मीर के लिए एक अलग संविधान का आधार बनने वाले सभी प्रावधान जैसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर देते हैं। इसके साथ, अनुच्छेद 35A अपने आप ही समाप्त हो जाता है।	**जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019** के तहत जम्मू और कश्मीर (J & K) को पुनः दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर जो विधान सभा सहित तथा लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों जो एक विधानसभा के बिना है, आयोजित किया गया था।

Q.23) निम्नलिखित में से किसका भारत एक सदस्य है?

1. दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान)
2. आसियान क्षेत्रीय मंच
3. पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (East Asia Summit)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.23) Solution (c)

- 1994 में स्थापित आसियान क्षेत्रीय मंच (ARF) हिंद-प्रशांत में सुरक्षा संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है।
- एआरएफ में 27 सदस्य राज्य शामिल हैं - 10 आसियान सदस्य राज्य, 10 आसियान संवाद भागीदार और 7 अन्य सदस्य।
- 10 आसियान सदस्य: ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम। (भारत आसियान का सदस्य नहीं है)
- 10 आसियान संवाद सहयोगी: ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका
- अन्य सदस्य: बांग्लादेश, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया, मंगोलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका और तिमोर-लेस्ते; एक आसियान पर्यवेक्षक (पापुआ न्यू गिनी)।
- भारत 1996 से एआरएफ का सदस्य है।
- ईस्ट एशिया समिट (ईएएस) एक क्षेत्रीय फोरम है, जो कि आसियान प्लस सिक्स प्रणाली पर आधारित, पूर्वी एशियाई, दक्षिण पूर्व एशियाई और दक्षिण एशियाई क्षेत्रों में 16 देशों के नेताओं द्वारा शुरू में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। 2011 में छठे ईएएस में रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 18 देशों में सदस्यता का विस्तार हुआ। भारत ईएएस का सदस्य है।

Q.24) 'स्वच्छ वायु के लिए नवाचार' भारत और किसके बीच एक संयुक्त पहल है

a) नीदरलैंड
b) यूनाइटेड किंगडमa
c) स्विट्जरलैंड
d) फ्रांस

Q.24) Solution (b)

- भारत और यूनाइटेड किंगडम ने दो साल की संयुक्त पहल- स्वच्छ वायु के लिए नवाचार (IFCA) बेंगलुरु में आरंभ की।
- इसका उद्देश्य उपग्रह और सेंसर डेटा को एकीकृत करके तथा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) में भारत के संक्रमण का समर्थन करके अद्वितीय वायु गुणवत्ता माप प्रणाली प्रदान करना है।

- यह पहल, वायु गुणवत्ता में सुधार करने की क्षमता वाले नवाचारों की पहचान करेगी तथा बेंगलुरु की वायु गुणवत्ता के अधिक विस्तृत स्थानीय मानचित्र में योगदान करेगी।
- यह भारतीय और यूके के अन्वेषकों को इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए लंबे समय तक चलने वाले संबंधों को विकसित करने में सहयोग करने के अवसरों की भी सुविधा प्रदान करेगा।

Q.25) हाल ही में शुरू की गई कमांडो यूनिट "कोरास" (CORAS) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे वामपंथी अतिवाद के विरुद्ध लड़ने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा आरंभ किया गया है।
2. इसकी नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ में पहली तैनाती होगी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.25) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**सत्य**
केंद्रीय रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे के CORAS (रेलवे सुरक्षा के लिए कमांडो) का शुभारंभ किया। यह रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की अलग कमांडो यूनिट है। इसे रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और रेलवे सुरक्षा विशेष बल (RPSF) के प्रेरित और इच्छुक युवा कर्मचारियों से बनाया गया है।	ये CORAS कमांडो वामपंथ अतिवाद (LWE / Insurgency / Terrorism) प्रभावित रेलवे क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे, जहां यात्रियों और रेलवे नेटवर्क को सुरक्षा प्रदान करना अत्यंत प्राथमिकता है। 'CORAS' की पहली तैनाती नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ में होगी।

Q.26) 'भारत के परिसीमन आयोग' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. परिसीमन आयोगों की स्थापना पूर्व में छह बार की गई है।
2. परिसीमन आयोग के आदेशों पर किसी भी न्यायालय के समक्ष प्रश्न नहीं कहा जा सकता है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.26) Solution (b)

भारत में, ऐसे परिसीमन आयोगों का गठन 4 बार किया गया है - 1952 में परिसीमन आयोग अधिनियम, 1952 के तहत, 1963 में परिसीमन आयोग अधिनियम, 1962 के तहत, 1973 में परिसीमन अधिनियम, 1972 और 2002 में परिसीमन अधिनियम, 2002 के तहत।

भारत में परिसीमन आयोग एक उच्च शक्ति निकाय है, जिसके आदेशों में कानून का शक्ति होती है तथा किसी भी न्यायालय के समक्ष इसे प्रश्न नहीं किया जा सकता है। ये आदेश इस संबंध में भारत के राष्ट्रपति द्वारा निर्दिष्ट किए जाने की तारीख पर लागू होते हैं। इसके आदेशों की प्रतियां संबंधित सदस्यों और राज्य विधानसभा के सदन के समक्ष रखी जाती हैं, लेकिन इसमें कोई संशोधन स्वीकार्य नहीं होता है।

Q.27) 'भारत बिल भुगतान परिचालन इकाई (BBPOU)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह भारत बिल भुगतान प्रणाली (BBPS) के दायरे में बिलों से संबंधित भुगतान और एकत्रीकरण सेवाओं को संभाल सकता है।
2. BBPOU एक बैंक या एक गैर-बैंक इकाई हो सकती है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.27) Solution (c)

भारत बिल भुगतान परिचालन इकाई अर्थात BBPOU वह इकाई है, जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अधिकृत है। यह बैंक या गैर-बैंक हो सकता है। BBPOU ग्राहकों के साथ (COU: ग्राहक OU) या उत्पादकों (Biller OU) के साथ या तो एकीकृत करना चुन सकता है या दोनों के रूप में भाग लेना स्वीकार कर सकता है - जिसका अर्थ है कि ऐसे BBPOU ग्राहकों के साथ-साथ उत्पादक भी एकीकृत होंगे। आगे जाकर, केवल अधिकृत BBPOU - RBI द्वारा अधिकृत बैंक और गैर-बैंक दोनों ही BBPS के अंतर्गत बिल से संबंधित भुगतान सेवाओं के भुगतान और एकत्रीकरण को संभाल सकते हैं।

Q.28) निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही रूप से सुमेलित है / हैं?

समाचारों में स्थान - देश

1. इदलिब - सीरिया
2. रोजवा - जॉर्डन
3. ओक्जोकुल - नॉर्वे

सही कूट का चयन करें:

a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.28) Solution (a)

इदलिब - सीरिया
रोजवा - सीरिया
ओक्जोकुल - आइसलैंड

Q.29) निम्नलिखित में से कौन सा कथन अमेरिका के संबंध में सही है / हैं, जब चीन अपनी मुद्रा में हेरफेर (manipulates) करता है?

1. चीन को अमेरिकी निर्यात अधिक महंगा हो जाएगा
2. चीन के निर्यात को अमेरिका में एक अनपेक्षित प्रतिस्पर्धी लाभ होगा
3. अमेरिकी निर्यात सभी देशों को कम प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं

सही कथनों का चयन करें

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.29) Solution (d)

चीन की कमजोर मुद्रा से अमेरिकी निर्यात की लागत बढ़ जाती है, जिससे वे चीन में उपभोक्ताओं के लिए कम आकर्षक हो जाते हैं, जिससे अमेरिकी निर्यात कम हो जाता है और अमेरिकी रोजगारों का नुकसान होता है।

चीन की कमजोर मुद्रा चीन के निर्यात की लागत को कम करती है, जिससे वे अमेरिकी निर्मित वस्तुओं की तुलना में अधिक आकर्षक हो जाते हैं, जिससे अमेरिकी उत्पादों की कम बिक्री होती है और अमेरिकी रोजगारों का नुकसान होता है।

चीन की कमजोर मुद्रा से सभी वैश्विक बाजारों में अमेरिकी निर्यात की लागत बढ़ जाती है, जिससे वे विश्व भर के उपभोक्ताओं के लिए कम आकर्षक हो जाते हैं, जिससे अमेरिकी निर्यात कम हो जाता है और अमेरिकी रोजगारों का नुकसान होता है।

Q.30) 'जादुगुडा यूरेनियम खान' कहाँ स्थित है

a) आंध्र प्रदेश
b) झारखंड
c) मेघालय
d) ओडिशा

Q.30) Solution (b)

जदुगोड़ा खदान को देश की पहली यूरेनियम खदान होने का गौरव प्राप्त है। यह झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के जादुगोड़ा गांव में स्थित है।